



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 93]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 20, 2009/फाल्गुन 1, 1930

No. 93]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 20, 2009/PHALGUNA 1, 1930

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

भारतीय रिज़र्व बैंक
(विदेशी मुद्रा विभाग)
(केन्द्रीय कार्यालय)

अधिसूचना

मुम्बई, 20 जनवरी, 2009

सं. फेमा. 183/2009-आरबी

विदेशी मुद्रा प्रबंध (रुपयों में उधार लेना और देना) (संशोधन)
विनियमावली, 2009

सा.का.नि. 107(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 6 की उप-धारा (3) के खण्ड (ब) और धारा 47 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक, एतद्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंध (रुपयों में उधार लेना और देना) विनियमावली, 2000 (3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा. 4/2000-आरबी) में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- ये विनियम विदेशी मुद्रा प्रबंध (रुपयों में उधार लेना और देना) (संशोधन) विनियमावली, 2009 कहलाएंगे।
- ये इन विनियमों में विनिर्दिष्ट तारीखों से लागू समझे जाएंगे।

2. विनियमों में संशोधन

विदेशी मुद्रा प्रबंध (रुपयों में उधार लेना और देना) विनियमावली, 2000 (3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा. 4/2000-आरबी) में, विनियम 5 में, उप-विनियम (3) के बाद

निम्नलिखित नया उप-विनियम (4) अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) भारत के बाहर रहने वाले किसी व्यक्ति को, विनिर्दिष्ट समय के अंदर ईक्विटी में पूर्णतः और अनिवार्यतः परिवर्तनीय 30 अप्रैल, 2007 को अथवा उसके बाद, में अधिमानी शेयरों के निर्गम तथा विनिर्दिष्ट समय के अंदर ईक्विटी में पूर्णतः और अनिवार्यतः परिवर्तनीय 7 जून, 2007 को अथवा उसके बाद परिवर्तनीय डिबेंचर्स के निर्गम के रूप में उधार देना ऋण संचयन खाते और तत्पश्चात् विदेशी मुद्रा प्रबंध (विदेशी मुद्रा में उधार लेना अथवा देना) विनियमावली, 2000 (3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा. 3/2000-आरबी) में, विनियम 6 की उक्त विनियम में क्या विनिर्दिष्ट ऐसे उधारों की सीमाओं के अनुरूप होगा।”

[फां. सं. 1/23/ईएम/2000-वोल्यूम-IV]

सलीम गंगाधरन, प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

पाद टिप्पणी :—मूल विनियमावली 5 मई, 2000 को सं. सा.का.नि. 387(अ) के जरिये सरकारी राजपत्र में भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित की गयी और तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित की गयी :

- सं. सा.का.नि. 90(अ), दिनांक 12-2-2001
- सं. सा.का.नि. 754(अ), दिनांक 8-11-2002
- सं. सा.का.नि. 351(अ), दिनांक 8-6-2004
- सं. सा.का.नि. 453(अ), दिनांक 16-7-2004
- सं. सा.का.नि. 711(अ), दिनांक 14-11-2007

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
RESERVE BANK OF INDIA
(Foreign Exchange Department)
(CENTRAL OFFICE)

NOTIFICATION

Mumbai, the 20th January, 2009

No. FEMA. 183/2009-RB

Foreign Exchange Management (Borrowing and Lending in Rupees) (Amendment) Regulations, 2009

G.S.R. 107(E).—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (3) of Section 6 and sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999), the Reserve Bank of India makes the following amendments in the Foreign Exchange Management (Borrowing and Lending in Rupees) Regulations, 2000 (Notification No. FEMA. 4/2000-RB dated 3rd May, 2000) as amended from time to time, namely :—

1. Short Title and Commencement :

(i) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Borrowing and Lending in Rupees) (Amendment) Regulations, 2009.

(ii) They shall come into force from the date specified in these Regulations.

2. Amendment of the Regulations :

In the Foreign Exchange Management (Borrowing and Lending in Rupees) Regulations, 2000 (Notification No. FEMA. 4/2000-RB dated 3rd May, 2000), in Regulation 5, after sub-regulation (3) the following new sub-regulation (4) shall be inserted, namely,—

“(4) The borrowing by way of issue of preference shares on or after 30th day of April, 2007 other than those which are fully and mandatorily convertible into equity within a specified time and issue of convertible debentures on or after 7th day of June, 2007, other than those which are fully and mandatorily convertible into equity within a specified time, to a person resident outside India, shall be considered as debt and shall accordingly conform to Regulation 6 of the Foreign Exchange Management (Borrowing or Lending in Foreign Exchange) Regulations, 2000 (Notification No. FEMA. 3/2000-RB dated 3rd May, 2000) including the limits to such Borrowings as specified in the said regulations.”

[F. No. 1/23/EM/2000-Vol.-IV]

SALIM GANGADHARAN, Chief General Manager-in-Charge

Foot Note :—The Principal Regulations were published in the Official Gazette vide No. G.S.R. 387(E) dated 5th May, 2000 in Part II, Section 3, Sub-section (i) and subsequently amended as under :—

1. No. G.S.R. 90(E), dated 12-2-2001
2. No. G.S.R. 754(E) dated 8-11-2002
3. No. G.S.R. 351(E), dated 8-6-2004
4. No. G.S.R. 453(E), dated 16-7-2004
5. No. G.S.R. 711(E) dated 14-11-2007

अधिसूचना

मुम्बई, 20 जनवरी, 2009

सं. फेमा. 184/2009-आरबी

विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण और निर्गम)
(संशोधन) विनियमावली, 2009

सा.का.नि. 108(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 6 की उप-धारा (3) के खण्ड (क) और धारा 47 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक, एतद्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण और निर्गम) विनियमावली, 2004 (7 जुलाई, 2004 की अधिसूचना सं. फेमा. 120/2004-आरबी) में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(i) ये विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण और निर्गम) (संशोधन) विनियम, 2009 कहलाएंगे।

(ii) ये 19 जुलाई, 2007 से लागू समझे जाएंगे।

2. नये विनियम 27 का अंतःस्थापन

विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण और निर्गम) विनियमावली, 2004 (7 जुलाई, 2004 की अधिसूचना सं. फेमा. 120/2004-आरबी) में, विनियम 26 के बाद निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“27 : शेयर बाजारों के समाशोधन निगमों और समाशोधन सदस्यों द्वारा डीमेट खाते खोलना

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के अनुमोदित शेयर बाजारों के समाशोधन निगम और उनके समाशोधन का सदस्य होने पर भारत का निवासी कोई व्यक्ति, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अधीन :

(i) विदेशी निक्षेपागारों के पास डीमेट खाता खोल सकता है तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा संपादित कर रूप में प्रस्तुत विदेशी सरकारी प्रतिभूतियां अर्जित कर सकता है, अपने पास रख कर सकता है, गिरवी रख सकता है और अंतरित कर सकता है;

(ii) इस प्रकार की विदेशी सरकारी प्रतिभूतियों पर कारपोरेट कार्रवाई से होने वाली आय, यदि कोई हो, प्रेषित कर सकता है; और

- (iii) इस प्रकार की विदेशी सरकारी प्रतिभूतियों का परिसमापन कर सकता है और उसकी आय भारत को प्रत्यावर्तित कर सकता है।”

[फा. सं. 1/23/ईएम/2000-वोल्यूम-IV]

सलीम गंगाधरन, प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

- (i) पाद टिप्पणी : मूल विनियमावली 19 फरवरी, 2004 को सं. सा.का.नि. 757(अ) के जरिये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित की गयी और तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित की गयी :

1. सं. सा.का.नि. 220(अ), दिनांक 7-4-2005
2. सं. सा.का.नि. 337(अ), दिनांक 27-5-2005
3. सं. सा.का.नि. 552(अ), दिनांक 31-8-2005
4. सं. सा.का.नि. 535(अ), दिनांक 6-9-2006
5. सं. सा.का.नि. 13(अ), दिनांक 5-1-2008
6. सं. सा.का.नि. 209(अ), दिनांक 3-3-2008

- (ii) यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी व्यक्ति पर इन विनियमों के पूर्वव्यापी प्रभाव से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

NOTIFICATION

Mumbai, the 20th January, 2009

No. FEMA. 184/2009-RB

Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Any Foreign Security) (Amendment) Regulations, 2009

G.S.R. 108(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 6 and sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999), the Reserve Bank of India hereby makes the following amendments in the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Any Foreign Security) Regulations, 2004 (Notification No. FEMA. 120/2004-RB dated 7th July, 2004) namely :—

1. Short Title & Commencement :

- (i) These Regulations shall be called the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Any Foreign Security) Amendment) Regulations, 2009.
- (ii) These Regulations shall be deemed to have come into effect from 19th day of July, 2007.

2. Insertion of New Regulation 27

In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Any Foreign Security) Regulations, 2004 (Notification No. FEMA. 120/2004-RB dated July 7, 2004, after Regulation 26, the following Regulation shall be inserted, namely :—

“27: Opening of Demat Accounts by Clearing Corporations of Stock Exchanges and Clearing Members

A Person resident in India being a Securities and Exchange Board of India approved clearing corporation of stock exchanges and their clearing members may, subject to the guidelines. issued by the SEBI from time to time :

- (i) open and maintain demat accounts with foreign depositories and acquire, hold, pledge and transfer the foreign sovereign securities, offered as collateral by FIIs;
- (ii) remit the proceeds arising from corporate action, if any, on such foreign sovereign securities; and
- (iii) liquidate such foreign sovereign securities and repatriate the proceeds thereof to India.”

[F. No. 1/23/EM/2000-Vol-IV]

SALIM GANGADHARAN, Chief General Manager-in-Charge

- (i) Foot Note : The Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of Any Foreign Security) Regulations, 2004 were published in the Official Gazette *vide* No. G.S.R. 757 (E) dated November 19, 2004 and subsequently amended *vide* :

1. No. G.S.R. 220(E), dated 7th April, 2005
2. No. G.S.R. 337(E), dated 27th May, 2005
3. No. G.S.R. 552(E), dated 31st August, 2005
4. No. G.S.R. 535(E), dated 6th September, 2006
5. No. G.S.R. 13(E), dated 5th January, 2008
6. No. G.S.R. 209(E), dated 3rd March, 2008

- (ii) It is clarified that no person will be adversely affected as a result of retrospective effect being given to these Regulations.